ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-३१
दिनांक- मंगलवार, ८ मई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.६ एवं २४.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ सुबह में एवं दोपहर में ६४ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.८ एवं दोपहर में ३४.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(९ से १३ मई,२०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ८ से १३ मई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार में आसमान में गरज वाले बादलों के बनने की संभावना है, इसके प्रभाव से अगले २४-४८ घंटो मे सारण, मुजफफरपुर, सीतामढ़ी, मधुवनी, दरभंगा, समस्तीपुर एवं वैशाली जिलो में कहीं कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- १३ मई तक अधिकतम तापमान ३७ से ३९ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १२ से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ४५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पिछले कई दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में अनेक स्थानों पर वर्षा हुई है, जिसके चलते खेतों में प्रयाप्त नमी आ गई है,जो बुआई के लिए अनुकुल है। हल्दी की बुआई किसान भाई १५ मई से करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०X२० से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम इन्डोफिल ४५ + ०.१ प्रतिशत बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- गर्मी वाली साब्जीयॉ जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें।
- अदरक की बुआई १५ मई से करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०X२० से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा में लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरवॉस ७६ इ०सी०/ १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- ओल के गजेन्द्र किस्म की रोपाई संपन्न करें। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी ७५ग७५ से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे।
- भिंडी की खड़ी फसल पर जैसीड एवं बोरर का प्रकोप होने पर नीम आधारित दवाएँ जैसे नीमीगोल्ड, नीमीसाईड का प्रयोग/२ मि०ली० प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- खरीफ धान की र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी २५ मई से किसान भाई लगा सकते हैं।

आज का अधिकतम तापमानः ३५.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.१ कम	आज का न्यूनतम तापमानः २१.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य २.२ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी